Chapter- 2

अहिंसा के दूत

STUDY NOTES

कहानी का वर्णन सरल भाषा में

बहुत दिन पहले की बात है, यह सच्ची घटना बापू के जीवन से जुड़ी हुई है, बापू को बचपन से हो पेड़ों पर चढ़ने का बहुत शौक था, इस बजह से गांधी जी के पिताजी को उनकी बहुत चिंता लगी रहती थी ।

बापू सबसे छिपते – छुपाते पेड़ों की टहनियों पर चढ़कर उछल – कुद करते थे ।

एक दिन बापू सबसे छिपकर कमरे की खिड़की की मदद से पेड़ों पर चढ़ते हुए उनके बड़े भाई ने देख लिया, इस बजह से उनके बड़े भाई ने मोहन की टाँग खींचकर उसे जमीन पर गिरा दिया ।

जिसके चलते मोहनदास को थोड़ी चोट लग गई और उसके बाद मोहन के बड़े भाई ने मोहन को जोर से एक थप्पड़ मारा । इसके बाद मोहन रोता हुआ अपनी माँ के पास गया, और जाकर माँ से कहने लगा, माँ-माँ बड़े भाई ने मुझे मारा, तभी माँ ने कहा तुमने जरूर कोई शरारात की होगी यह सुनकर मोहन ने कहा मैं तो बस पेड़ पर चढ़कर हवा का आनंद ले रहा था ।

माँ ने हँसते हुए कहा ठीक है अगर तुम्हें बड़े भाई ने मारा है, तो तुम भी अपने बड़े भाई को प्यार से मार-सकते हो भाईयों में तो इस तरह के झगडे होते ही रहते हैं, यह सुनकर मोहन उदास हो गया और कहने लगा माँ आप मारने वाले को नहीं रोकती, मुझे मारना सिखाती हो तभी माँ ने बालक गांधी को गोद में भरकर खुशी से कहा तुम्हें ऐसे प्यारे उत्तर कहाँ से सूझते हैं?

सचमुच बापू का जीवन कुछ ऐसा ही था, हिंसा का बदला हिंसा नहीं बल्कि अहिंसा से करना चाहिए । गांधी जी अहिंसा के पुजारी थे ।

कहानी से जुड़े कुछ मुख्य रोचक बातें –

क) नम्रता की चरम सीमा का नाम ही अहिंसा है ।

ख) संसार में सभी प्राणियों से प्रेम करना चाहिए ।

ग) हमें हमेशा अपने जीवन में सत्य और अहिंसा के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए ।

घ) मनुष्य को क्रोध को भगाकर प्रेम को अपनाना चाहिए ।

शब्दार्थ -

खरोंचे – निशान

तमाचा – थप्पड़

बेवजह – बिना कारण

नोक-झोंक – वह लड़ाई जहाँ एक – दुसरों को चुभने वाली बात की जाए

क्रोध – गुस्सा

पुजारी – जो मंदिरों में पुजा करते हैं ।

मिथ्या – झूठ

दान – किसी को कुछ देना

उदास – दुखी

शरारत – बदमाशी

अभ्यास के लिए

१. कम-से कम शब्दों में उत्तर दीजिए –

क) गांधी जी का पूरा नाम बताइए ।

उ- गांधी जी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था ।

ख) गांधी जी के पिता जी किस कार्य को करने से मना करते थे ?

उ- गांधी जी के पिता जी पेड़ों पर चढ़ने से मना करते थे ।

ग) बड़े भाई ने क्या देखा ?

उ- मोहन के बड़े भाई ने यह देखा की मोहन कमरे की खिड़की से पेड़ों पर चढ़ रहा है ।

घ) पेड़ पर चढ़ कर मोहन क्या कर रहे थे ?

उ- मोहन पेड़ पर चढ़कर पेड़ों की टहनियों पर उछल – कूद कर रहे थे ।

२. किसने कहा ? किससे कहा ?

क) ''कितनी बार कहा किपेड़ पर नहीं चढ़ना ।''

उ- यह वाक्य मोहन के बड़े भाई ने मोहन से कहा ।

ख) ''देखो माँ, बड़े भाई ने हमें मारा है ?''

उ- यह वाक्य मोहन ने अपनी माता जी को कहा था ।

ग) ''तुमने कोई शरारत की होगी ?

उ- यह वाक्य माँ ने मोहन से कहा था ?

घ) ''तुम्हें ऐसे जवाब कहाँ से सूझते हैं ?

उ- यह वाक्य माँ ने नन्हें से गांधी को कहा था ।

३. खाली जगह भरें ।

क) गांधी जी को पेड़ों पर चढ़ने का शौक था ।

ख) एक दिन लुक छिपकर मोहन पेड़ पर चढ़गए ।

ग) कितनी बार कहा है कि पेड़ पर नहीं चढ़ना ।

घ) माँ ने पूछा - ‘‘तुमने कोई शरारत की होगी ‘‘

ङ) हिंसा का बदला, हिंसा से नहीं बल्कि अंहिसा से भी लिया जा सकता है ।

४. प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) मोहनदास गांधी को पेड़ों पर चढ़ने का शौक कब था ?

उ- मोहनदास गांधी को बचपन से ही पेड़ों पर चढ़ने का शौक था ।

ख) पिताजी को किस बात का ड़र था ?

उ- मोहन को पेड़ से गिरकर चोट न लग जाए, पिताजी को हमेशा इस बात का डर था ।

ग) बड़े भाई ने क्या किया ?

उ- बड़े भाई ने पेड़ पर चढे मोहन की टाँग खीचकर जमीन पर गिरा दिया तथा उसके मुँह पर एक जोरदार थप्पड़ मारा ।

घ) मोहन उदास क्यों हो गए ?

उ- मोहन की माँ ने जब मोहन से यह कहा की तुम भी जाकर उपपने बड़े भाई को मारो, मोहन ने जब इस तरह की बातें सुनी तब वह उदास हो गए ।

ङ) मोहन ने तमाचे का जवाब तमाचे से क्यों नहीं दिया ?

उ- मोहन ने तमाचे का जवाब तमाचे से इस बजह से नहीं दिया क्योंकि, मोहन के भाई उम्र में मोहन से बड़े थे ।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

च) जब आपको कोई मारता है तो आप क्या करते है ?

उ- जब हमें कोई मारता है, तो सबसे पहले हम उससे मारने का कारण पुछते हैं, फिर इस विषय पर बात करते हैं ।

छ) लोग बापू को किस अवतार के नाम से याद करते हैं ?

उ- लोग बापू को 'अहिंसा के पुजारी' या अहिंसा के अवतार के नाम से याद करते हैं ।

भाषा-ज्ञान

१. पढ़िए समझिए और लिखिए

क) गिर + कर = गिरकर

ख) खींच + कर = खींचकर

ग) बचा + कर = बचाकर

घ) चढ़ + कर = चढ़कर

ङ) छिप + कर = छिपकर

च) सुन + कर = सुनकर

छ) कह + कर = कहकर

२. सही स्थान पर चंद्रबिंदु (ँ) और बिंदी (ं) लगाकर लिखिए –

क) ऊचाई - ऊँचाई

ख) गांधी – गांधी

ग) कहा – कहाँ

घ) अहिसा – अंहिसा

ङ) मुह – मुँह

च) सिद्धात – सिद्धांत

छ) मा – माँ

३. वाक्यों में उचित जगह पर 'की' और 'कि' का प्रयोग कीजिए –

गांधी जी के बचपन <u>की</u> यह घटना हमें सिखाती है <u>कि</u> हिंसा का बदला हिंसा से नहीं बल्कि अहिंसा से भी लिया जा सकता है ।

***

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow